

1971 में प्रथम बार निलय वलय विधि
जो न प्रथम बार अर्थात्
निचे दायाँ दिशा में जो कर
पेश होने पर पालनी पेश हुई।
बाड़ी कर वाइ नया कर एमएच में
पेश कर की अर्थात् के नाम दिशा
किया जा चुका है अतः प्रथम
के अर्थ कर कोई अर्थ नहीं
है अतः प्रथम कर प्राथम-पर
अर्थात् निचे दायाँ दिशा में किया जाता
है। पालनी अर्थात् एकर नया न
कर की जाय- अर्थात् नया वाइ ए

Handwritten signature or mark